

00126

**Ph.D. (HISTORY)**  
**Entrance Test, 2018**

*Time : 3 hours*

*Maximum Marks : 100*

---

*Note : Attempt **two** questions from Part A and **two** questions from Part B. In all you have to answer **four** questions. All questions carry equal marks.*

---

**PART A**

*Answer any **two** questions in about **500** words each.*

1. Critically analyse the main features of colonial historiography on India. Discuss two main historians of this trend. 25
2. What is Generalisation ? Discuss the various sources of generalisation which are needed for history-writing. 25

**OR**

Write a note on the Marxist historical-writings on Indian Nationalism.

3. What do you understand by Quantitative history ? How has it changed the nature of history-writing ? 25
4. Discuss the significance of primary sources in writing history. 25

## PART B

Answer any **two** questions in about **500** words each.

5. Analyse the different perspectives explaining the nature and significance of the Revolt of 1857. 25

**OR**

Evaluate Barani's comment that "the Burden of the rich should not fall upon the weak" in the context of Alauddin Khilji's agrarian policy.

**OR**

Discuss the role of Iron in the evolution of the State in early India.

6. Critically analyse the major trends of Socio-Religious Reform Movements in 19<sup>th</sup> century India. 25

**OR**

Discuss the factors that led to the rise of Maratha power in the Deccan.

**OR**

To what extent are the origins of Buddhism and Jainism grounded in their material context ?

7. Write a note on the economic impact of the British rule in India. 25

**OR**

The Timariots (Jagirdars) reasoned out "Let us draw from the soil all the money we can, though the peasant should starve or abscond, and we should leave it, when commanded to quit, a dreary wilderness." Comment.

**OR**

Discuss the reasons responsible for the rise of Magadha.

8. Explain the circumstances leading to the partition of India in 1947. 25

**OR**

Write a critical note on the 18<sup>th</sup> century debate in Indian History.

**OR**

Critically evaluate the major literary works of the Gupta period.

---

पी.एच.डी. (इतिहास)  
प्रवेश परीक्षा, 2018

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : खण्ड क से दो और खण्ड ख से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए । कुल मिलाकर आपको चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड क

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।

1. भारत पर औपनिवेशिक इतिहास-लेखन की मुख्य विशेषताओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए । इस विचारधारा के दो मुख्य इतिहासकारों पर चर्चा कीजिए । 25
2. सामान्यीकरण क्या है ? इतिहास-लेखन के लिए आवश्यक सामान्यीकरण के विभिन्न स्रोतों की विवेचना कीजिए । 25

अथवा

भारतीय राष्ट्रवाद के बारे में मार्क्सवादी इतिहास-लेखन पर एक टिप्पणी लिखिए ।

3. मात्रात्मक इतिहास से आप क्या समझते हैं ? इसने इतिहास-लेखन की प्रकृति को कैसे बदल दिया है ? 25
4. इतिहास-लेखन में प्राथमिक स्रोतों के महत्त्व की विवेचना कीजिए । 25

## खण्ड ख

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।

5. 1857 के विद्रोह की प्रकृति और महत्त्व को स्पष्ट करते हुए विभिन्न परिप्रेक्ष्यों का विश्लेषण कीजिए । 25

अथवा

अलाउद्दीन खिलजी की कृषि नीति के संदर्भ में बरनी की इस टिप्पणी का मूल्यांकन कीजिए कि “धनी लोगों का भार कमजोर लोगों पर नहीं पड़ना चाहिए” ।

अथवा

प्राचीन भारत में राज्य के विकास में लोहे की भूमिका की विवेचना कीजिए ।

6. उन्नीसवीं शताब्दी में भारत में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों की मुख्य प्रवृत्तियों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए । 25

अथवा

दक्खन में मराठा शक्ति के उदय के लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

बौद्ध धर्म और जैन धर्म की उत्पत्ति किस सीमा तक उस समय के भौतिक संदर्भ में निहित थी ?

7. भारत में अंग्रेज़ी शासन के आर्थिक प्रभाव पर एक टिप्पणी लिखिए । 25

अथवा

मुगल जागीरदारों का यह तर्क है कि “ज़मीन से हम सारी संभव उपज ले लें, चाहे किसान भूखा मरे या फरार हो जाए, और हमें इसे एक नीरस बंजर भूमि छोड़ना चाहिए, जब हमें इसे छोड़ने का आदेश दिया जाए ।” टिप्पणी कीजिए ।

अथवा

मगध के उदय के लिए उत्तरदायी कारणों की विवेचना कीजिए ।

8. 1947 में भारत को विभाजन की ओर ले जाने वाली परिस्थितियों की व्याख्या कीजिए । 25

अथवा

भारत के इतिहास में 18वीं सदी पर बहस पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए ।

अथवा

गुप्त काल की प्रमुख साहित्यिक कृतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।